खण्ड-'क'

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)

1. (क) - संक्षिप्त, सटीक और पाठ की विषय-वस्तु का संकेत

- फ़ादर कामिल बुल्के की विशेषताओं-करुणा, दिव्यता, मानवीयता, परोपकार, वात्सल्य आदि को सामने लाने वाला

(ख) - हिंदी भाषियों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर;

- हिंदी भाषा के प्रति अत्यधिक प्रेम और सम्मान के कारण / हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की इच्छा के कारण

(ग) - भीड़ से दूर एकांत में नई कहानी के विषय में सोचने के लिए

- खिड़की से बाहर प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए
- अधिक दूरी का सफ़र न होने के कारण, टिकट ज्यादा महँगा नहीं लग रहा था। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(घ) उदाहरणार्थ - संभवतः हाँ!

- नवाब साहब को लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच हो रहा था, यदि लेखक खीरा खाते तो नवाब साहब को भी संकोच न होता।
- खीरे खाने के लिए ही खरीदे होंगे, फेंकने के लिए नहीं।
- वे लेखक से भी बार-बार खीरा खाने का आग्रह कर रहे थे।

अथवा

संभवतः नहीं!

- लेखक के खीरा खाने के उपरांत भी वे नवाबी शान का प्रदर्शन करते और नहीं खाते।
- श्रेष्ठता दिखाने के लिए खीरा नहीं खाते।
- उन्हें यह दिखाना था कि खीरे को सूँघने से ही तृप्ति मिल सकती है

2. (क) (कविता के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कोई भी सार्थक शीर्षक स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ -

- क्रांतिदूत, बादल-राग, बादल-गीत, नवचेतना, क्रांतिचेतना आदि (दिए हुए शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करने वाला उपयुक्त तर्क अपेक्षित)

उदाहरणार्थ -

- 'उत्साह' कविता में क्रांति की चेतना जगाने की बात की गई है, बादल क्रांतिदूत हैं।
- कविता के मूल भाव और संदेश को व्यक्त करने वाला संक्षिप्त और सटीक शीर्षक है।

(ख) -फागुन का सौंदर्य बहुत आकर्षक लगता है।

- दृष्टि बँध जाती है, चाहकर भी नज़रें हटा नहीं पाता, उसका मन नहीं भरता।
- प्राकृतिक सौंदर्य को मन में समा लेना चाहता है।
- मन, आनंद और प्रफुल्लता से भर जाता है।
- मन कल्पनाओं में खोकर उड़ान भरने लगता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(ग) यह समझाने के लिए कि -

- स्त्री-सुलभ गुणों जैसे - संवेदनशीलता, स्नेह, करुणा, कोमलता आदि से परिपूर्ण हो परंतु उन्हें अपनी कमज़ोरी न बनने दे।
- समाज इन स्त्री-सुलभ गुणों को उसकी कमज़ोरी मानता है।
- उसे ऐसी स्थिति के प्रति सचेत और दृढ़ रहना चाहिए। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(घ) - लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी।

- वह जीवन के कठोर यथार्थ, समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी।
- माँ के आश्रय में जीवन के सुख से परिचित किंतु दुख से अपरिचित थी।

(कोई दो बिंदु अपेक्षित)

3. (क) वर्तमान खेल - खिलौनों की अपेक्षा पाठ में वर्णित खेल-खिलौने :-

- सामाजिक मेल - मिलाप, परस्पर सहयोग, आत्मीयता, समूह भावना को बढ़ावा देने वाले थे।
- खिलौने या खेल सामग्री आसपास की सहज उपलब्ध वस्तुएँ, स्वनिर्मित, प्राकृतिक और स्वास्थ्यकर होती थीं।
- शारीरिक-मानसिक विकास में उपयोगी थे।
- जीवन की सहज व्यावहारिक शिक्षा देने वाले थे। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

(ख) नाक की प्रतीकात्मकता -

- प्रतिष्ठा का प्रतीक (अनेक मुहावरों में इसी अर्थ में प्रयुक्त);

मूर्तिकार द्वारा दिए गए समाधान और उनसे उत्पन्न होने वाली परेशानी -

- मूर्ति के पत्थर की जानकारी माँगी परंतु फ़ाइलें नहीं मिलीं।

- पूरे देश के पहाड़ों का भ्रमण कर पत्थर ढूँढ़ना पड़ा, परंतु समान पत्थर नहीं मिला।
- देश के स्वतंत्रता सेनानियों और बाल शहीदों की मूर्तियों की नाक की भी नापतौल की परंतु वे भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकलीं।
- ज़िंदा नाक लगाने का सुझाव दिया।
- आर्थिक हानि का भय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(ग) दुष्प्रभाव :-
- प्रदूषण में वृद्धि
- गंदगी
- बर्फ़बारी (स्नो फॉल) में कमी
- प्राकृतिक स्वरूप में हानि (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

खण्ड-'ख'

(रचनात्मक लेखन)

4. स्वयं करे

5. स्वयं करे

6. स्वयं करे

7. स्वयं करे